लक्ष्मी सीड्स

अधिक उत्पादन हेतु सुझाव

मीरा
(एल.एस.एम-77)

कीर्ति
(जड़िया सरसों बीज)

55L74

खेत की तैयारी एवं भूमि का प्रकार

सरसों की फसल वैसे तो सभी प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है। लेकिन अधिक पैदावार लेने के लिए बलूई दोमट मिट्टी सबसे अधिक उपयुक्त रहती है। एक बार मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करें फिर एक-दो कल्टीवेटर हल से जुताई कर पाटा लगायें।

भूमि उपचार

दीमक व जमीन में रहने वाले हानिकारक कीटों की रोकथाम के लिए जैविक नियंत्रण में ट्राइकोड्रमा वीरिडी का पाउडर 2.5 किग्रा मात्रा को 50 किग्रा नमीं युक्त गोबर की खाद में मिलाकर पलेवा करते समय प्रति बीघा की दर से मिला दें।

बिजाई का समय

सरसों बिजाई का उचित समय 10 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक होता है।

बीज उपचार

लक्ष्मी सीड्स के उत्पाद बीज उपचार करके ही किसान भाईयों को उपलब्ध करवाती है।

बीज की मात्रा

बिजाई के लिए सरसों बीज 1000 ग्राम से 1200 ग्राम प्रति एकड़ प्रयोग करें।
बिजाई करते समय कतार से कतार की दूरी लगभग 45 सेमी. व पौधे से पौधे की दूरी लगभग 30 सेमी. रखें।

सिंचाई

सरसों की फसल में पहली सिंचाई बुवाई के 35-40 दिन बाद (पहली सिंचाई के साथ सल्फर 80% प्रति बीघा अवश्य डालें)। दूसरी सिंचाई पहली सिंचाई के 30-35 दिन बाद (फूल आने के समय) तथा तिसरी सिंचाई दूसरी सिंचाई के लगभग 30-35 दिन के बाद (फलियां बनते समय) करें।

नोट: यदि दो ही सिंचाई उपलब्ध है तो प्रथम सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद व दूसरी सिंचाई 80-90 दिन बाद करें।

खाद / उर्वक की मात्रा

तीन साल में एक बार 8 से 10 टन सड़ी हुई गोबर की खाद बुवाई से एक माह पहले अवश्य दें। सरसों में 37 किग्रा नाइट्रोजन व 20 किग्रा फॉस्फोरस प्रति एकड़ उपयुक्त रहती है। जिसकी पूर्ति के लिए बुवाई से पूर्व या बुवाई के समय 45 किग्रा डी.ए.पी. व 20 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ के हिसाब से दें। प्रथम सिंचाई के समय 35 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ व दूसरी सिंचाई के समय 30 किग्रा प्रति एकड़ यूरिया की दर से दें।

नोट: 30 किग्रा डी.ए़.पी. की जगह 120 किग्रा एस.एस.पी. प्रति एकड़ का प्रयोग सरसों के उत्पादन में बढोतरी लाती है। प्रति एकड़ 110 किग्रा जिप्सम के प्रयोग भी तेल की मात्रा बढाने मे सहायक होता है।

खरपतवार नियंत्रण एवं निराई-गुड़ाई

प्रथम सिंचाई से पूर्व एक बार निराई-गुड़ाई अवश्य करें। रासायनिक नियंत्रण हेतु सलेक्टिव हर्बीसाईड का प्रयोग भी कर सकते है। लेकिन ध्यान रहे छिड़काव समान रूप से हो कहीं भी दोहरा छिड़काव ना हो।

कटाई

फसल की कटाई दाना पकने पर करें।

टिप्पणी

सामान्य परिस्थितियों में उपयुक्त विधियां अपनाई जाने पर 7 से 9 क्विं. प्रति बीघा उत्पादन किया जा सकता है।

नोट: सरसों की फसल में मरगोजा (ओरोबंकी) परजीवी खरपतवार के जैविक नियंत्रण हेतु खरपतवार के उगते ही एक सप्ताह के अन्दर 2-2 बूंद सोयाबीन तेल खरपतवार की शाखाओं पर डालने से भी यह खरपतवार नष्ट होता देखा गया है।